केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 33 शनिवार 24 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांग्रेस विधि विभाग की मण्डलीय बैठक 25 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग की मण्डलीय बैठक 25 अगस्त रविवार को कांग्रेस कार्यालय पर दिन में 1 बजे से आयोजित किया गया है। यह जानकारी देते हुये विधि विभाग के प्रदेश महासचिव एवं बस्ती मण्डल प्रभारी अधिवक्ता नवीन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगर जनपदों के विधि विभाग के पदाधिकारी, सदस्य हिस्सा लेंगे।

उन्होने बताया कि इसी कड़ी में आगामी 31 अगस्त को विधि विभाग के चेयरमैन नितिन मिश्र बस्ती आयेंगे। प्रेस क्लब के निकट उनका स्वागत किया जायेगा।

मास्कों में गूंजी बस्ती के हासिम की धुन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती के हासिम अहमद आजमी के धुनों ने रूस में जलवा बिखेरा। मास्को शहर में आयोजित 'इंडिया डे फेस्ट' कार्यक्रम में हासिम अपनी टीम के साथ पहुंचे। जिसमें भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी। मुख्य गायक के रूप में अनीश सोनी रहे। कार्यक्रम में देशभक्त गीतों ने भारतीयों के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत किया।

हासिम ने कहा कि विदेश में भारतीय संस्कृति से समाहित कार्यक्रम को प्रस्तुत करना गौरव की बात है। भारतीय मूल के नागरिकों के साथ रूस के लोगों ने भी कार्यक्रम की सराहना किया।

कार्यक्रम की शुरूआत तिरंगा झण्डा फहराकर किया गया। मुख्य अतिथि सांसद कुशीनगर विजय कुमार दूबे रहे। कार्यक्रम में भारत के राजदूत भी मौजूद रहे।

हासिम के साथ रसिया जाने वालों में शशांक दूबे, खड्डा के ब्लाक प्रमुख, करन काली आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 14 सितम्बर को जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर, कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान ने बताया है कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर सुलह–समझौले के आधार पर निस्तारित किया जायेंगा।

उन्होने बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, परकाम्य लिखत अधिनियम की धारा–138 से संबंधित मामलें, बैंक वसूली से संबंधित मामलें, मोटर दुर्घटनाओं से संबंधित प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों, पारिवारिक वादों, भूमि अधिग्रहण से संबंधित वादों, विद्युत एवं जलकर विवाद (चोरी से संबंधित विवादों सहित), सर्विस में वेतन संबंधी विवाद एवं सेवानिवृत्तिक लाभों से संबंधित विवाद, राजस्व संबंधी वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार ऐसे अन्य प्रकार के जिन वादों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर हो सकता है, को अधिक से अधिक संख्या में नियत कर निस्तारित किया जायेंगा।

मत्स्य पालकों से मांगे आवेदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । तालाबों में सघन मत्स्य पालन करते हुये अधिकाधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त करने हेतु पूर्णतः महिला मत्स्य पालकों को समर्पित एयरेशन सिस्टम की स्थापना नामक एक नवीन योजना का शुभारम्भ मत्स्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए मत्स्य अधिकारी सन्दीप कुमार वर्मा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन को मत्स्य विभाग के विभागीय पोर्टल http//fisheries.up.gov.in पर 3 सितम्बर तक किया जा सकता है।

पीएम मोदी ने यूक्रेन में दिया शांति का संदेश

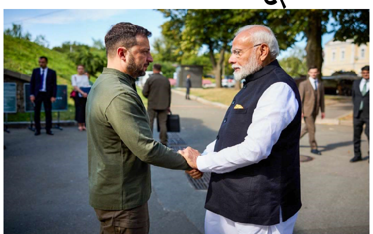

कीव (आभा) ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को यूक्रेन पहुंचे। राजधानी कीव में उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, शहमने जो दूसरा रास्ता चुना है, वह युद्ध से दूर रहना है। हम बहुत दृढ़ता से युद्ध से दूर रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम तटस्थ नहीं थे। हम पहले दिन से ही पक्षकार रहे हैं और हमारा पक्ष है शांति, हम बुद्ध की भूमि से आते हैं जहां युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।' उन्होंने कहा कि हम महात्मा गांधी की भूमि से आते हैं जिन्होंने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया।

पीएम मोदी ने कहा, 'जब युद्ध के शुरुआती दिन थे, तब आपने भारतीय नागरिकों और छात्रों को निकालने में मदद की थी। मैं संकट के इस समय में आपकी मदद के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। दुनिया अच्छी तरह जानती है कि युद्ध के दौरान हमने 2 भूमिकाएं निभाई थीं। पहली भूमिका मानवीय दृष्टिकोण की थी।' उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मानवीय दृष्टिकोण से जो भी जरूरत होगी, उसके लिए भारत हमेशा आपके साथ खड़ा रहेगा और दो कदम आगे रहेगा ।नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आप और यूक्रेन के लोग भी जानते हैं कि भारत का शांति प्रयासों में सक्रिय योगदान रहा है। आप जानते हैं कि हमारा दृष्टिकोण लोगों पर केंद्रित रहा है। मैं आपको और पूरे विश्व समुदाय को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि यह भारत की प्रतिबद्धता है। हम मानते हैं कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है। हम इसका समर्थन करते हैं। कुछ समय पहले, जब मैं इसके समर्थन में राष्ट्रपति पुतिन से मिला था, तो मैंने उनसे कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है। पिछले दिनों, जब मैं एक बैठक के लिए रूस गया था, तो मैंने वहां भी स्पष्ट शब्दों में कहा था कि किसी भी समस्या का समाधान कभी भी रणभूमि में नहीं होता है। समाधान केवल बातचीत, और कूटनीति के माध्यम से होता है। हमें बिना समय बर्बाद किए उस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड ने शिविर लगाकर बनाये 110 सदस्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी के युवा फ्रन्टल संगठनों द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर शुक्रवार को बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के नगरा बौडिहार में शिविर लगाकर 110 सदस्य बनाये गये। मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड अध्यक्ष अखिलेश यादव के संयोजन में आयोजित शिविर में स्थानीय लोगों को सदस्यता दी गई।

मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यता प्रभारी डी.आर.एस. यादव, राहुल सिंह, प्रेमचन्द्र सोनी, समाजवादी पार्टी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष अजय यादव, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी के साथ ही सपा के वैजनाथ शर्मा, ध्रुवचन्द्र चौधरी, पन्नेलाल यादव, बंशीराम यादव आदि ने शिविर में सहयोग किया।

वक्ताओं ने कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को मजबूती से जोड़े । समाज में राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन का दायित्व युवाओं के कंधे पर है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्म दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जा रहा है। युवा छात्र संघ बहाली के लिये रचनात्मक आन्दोलन के साथ ही पेपर लीक, मंहगी होती शिक्षा आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करेंगे।

सदस्यता अभियान में जोखन यादव, हरिश्चन्द्र, ब्रम्हानन्द गौतम, कृष्ण कुमार, रविदास, हबीबुल्लाह, राम सुमेर, नईम, अनुज, कन्हैया, नागेन्द्र, विधान राव, रामशंकर, अजीत, राजकुमार के साथ ही फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सफाईकर्मी पर मनमानी का आरोपः कार्यवाही की मांग

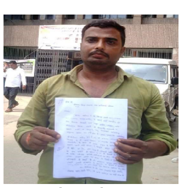

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी सुधीर कुमार पाण्डेय ने ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी को शुक्रवार को पत्र देकर परसा जागीर में तैनात सफाई कर्मचारी रामजीत के विरूद्ध कार्यवाही की मांग किया है।

पत्र में कहा गया है कि सफाई कर्मचारी रामजीत नियम विरूद्ध तरीके से नियुक्ती कराके, रसूख के दम पर गांव में बिना कार्य किए ड्युटी हाजिरी लगवा लेता है । अपने निवास के ही ग्राम पंचायत में नियुक्ति करवाकर स्थानीय राजनीति के साथ ही अन्य बहुत से बहुत से कारोबार करता है । सफाई कभी नहीं करता है, जिसके कारण इनके कार्यक्षेत्र में कूड़े करकट का ढेर लगा रहता है।

मांग किया कि उक्त सफाईकर्मी की जांच कराकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय। पत्र देने वालों में सुधीर पाण्डेय के साथ आत्मा पाण्डेय, रामविलास भारद्वाज, लक्ष्मन, पंकज पाण्डेय, हिमांशु पाण्डेय, राहुल पाण्डेय आदि शामिल रहे।

उद्यमियों की समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराये अधिकारी–मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुयी। उन्होने औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी के निराकरण हेतु विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि परसपर समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्रातिशीघ्र आवश्यक कार्यवाही करें। मण्डलायुक्त द्वारा संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि निवेशक इकाइयों के स्थापना में आ रही कठिनाईयों को तत्काल निराकरण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सब्सिडी का लाभ भी दिलाया जाय।

उन्होने यह भी निर्देश दिया कि उद्योग लगाने के लिए अगर कोई समस्या आती है तो बैठक में अवगत कराया जाय, जिससे समस्या का निराकरण किया जा सकें। उन्होने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यकम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी वित्त एवं पोषण योजना, निवेशमित्र पोर्टल पर लम्बित मामलों की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। औद्योगिक फीडर में आबाध विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि लोकल फाल्ट को दूर किया जाय। ढीले विद्युत तारों को टाइट किया जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि औद्योगिक क्षेत्र में जितने प्लाट है, उनके विद्युत कनेक्शन/बिल का सत्यापन किया जाय।

उन्होने औद्योगिक क्षेत्र खलीलाबाद में कूड़ा डम्पिंग की समीक्षा किया। अधिशासी अधिकारी नगरपालिका द्वारा बताया गया कि कूड़ा डम्पिंग समस्या के लिए भूमि का चयन अलग जगह किया गया है, जल्द ही इस समस्या का निराकरण कर दिया जायेंगा। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया कि जल्द से जल्द माह नवम्बर तक पूर्ण करा लिया जाय।

आईजी आर.के. भारद्वाज ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होने एलडीएम को निर्देशित किया कि उद्यमियों के अभिलेखों का सत्यापन करते हुए समयान्तर्गत ऋण वितरण किया जाय। बैठक का संचालन संयुक्त आयुक्त उद्योग हरीश प्रताप सिंह द्वारा किया गया। बैठक में उपायुक्त वाणिज्यकर प्रभाकर सरोज, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई राकेश कुमार गौतम, डीएलसी बी.एल. शर्मा, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, चेम्बर्स आफ कामर्स के सचिव हरिश्चन्द्र तथा विभागीय अधिकारी तथा उद्यमीगण उपस्थित रहें।

डायट में मनाया गया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर थीम संदेश साझा किया गया। संदेश में बच्चों ने जाना कि चंद्रयान–3 की लैंडिंग कैसे हुई, क्या–क्या कठिनाई आई और जीवन शैली तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास कैसे हो सकता है।

डायट प्राचार्य ने बताया कि भारत के लिए पूरा मिशन इसलिए गौरवशाली था क्योंकि भारत ने वहां जाने की ठानी थी जहां पर अब तक कोई नहीं पहुंच सका था। अब दुनिया के कई देशों की नजर चांद पर है। सरकारी स्पेस एजेंसियों के साथ ही निजी क्षेत्र की स्पेस कंपनी एजेंसियां, मसलन स्पेस एक्स व अन्य भी मून मिशन डिजाइन कर रही हैं। कार्यक्रम के नोडल प्रवक्ता कल्याण पाण्डेय, डॉ रविनाथ, डॉ गोविंद प्रसाद ने भी राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के थीम पर अपना विचार रखा। प्रवक्ता डॉ गोविंद प्रसाद एवं एसआरजी आशीष श्रीवास्तव द्वारा भारत ऑन द मून पोर्टल पर डायट के प्रशिक्षुओं का क्विज कराया गया तथा पोर्टल पर चंद्रयान–3 के वीडियो को दिखाते हुए रानी की खोज विषय पर अंतरिक्ष दिवस के चंद्रायन–3 लैंडिंग पर बच्चों को विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षुओं द्वारा भारत आन द मून नाटिका का प्रस्तुतीकरण किया गया। पात्रों में चंद्रयान की भूमिका में क्षमा तिवारी, छात्रों की भूमिका में सृष्टि, रीना, पुनीता और रहीं तथा प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका में शिवम मिश्रा रहे। नाटिका का उद्देश्य बच्चों को चंद्रयान मिशन के बारे में बताना था। भारत ऑन द मून पोर्टल पर छात्रों में क्विज, आर्ट कनेक्ट, पिक्चर बिल्डर, स्पेशल मॉड्यूल, ग्राफिक नोवेल्स का पिक्चर पजल आदि से जोड़कर क्रियाकलाप में शामिल हुए सभी छात्रों द्वारा क्विज में प्रतिभाग कर डिजिटल सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया गया।

इस अवसर पर डॉ गोविंद प्रसाद, अमन सेन, शशि दर्शन त्रिपाठी, डॉ रविनाथ त्रिपाठी, कुलदीप चौधरी ने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में अपना योगदान दिया।

कड़ी सुरक्षा में पुलिस परीक्षाः परिवहन व्यवस्था चरमराई

लखनऊ (आभा)। यूपी के 67 जिलों में 1174 परीक्षा केंद्रों पर करीब नौ लाख 60 हजार अभ्यर्थी शुक्रवार को सिपाही भर्ती परीक्षा शुरू हो जो शाम पांच बजे खत्म हो गई। 60 हजार 244 पदों में आयोजित हुई इस पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए सुरक्षा–व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। लेकिन परीक्षा खत्म हुई तो बस अड्डे और रेलवे स्टेशनों पर व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। घरों को जाने के लिए बस अड्डे और रेलवे स्टेशन पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ट्रेनों और बसों में घुसने के लिए अभ्यर्थियों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। बतादें कि इसी साल फरवरी में हुई यह परीक्षा पर्चा लीक होने की वजह से रद्द कर दी गई थी। परीक्षा के लिए यूपी में 10 हजार से अधिक पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए थे। परीक्षा केन्द्रों पर भी अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया था। वहीं रायबरेली में यूपी पुलिस भर्ती की पहली पाली की परीक्षा के दौरान इलेक्ट्रानिक्स डिवाइस के साथ एक अभ्यर्थी को पुलिस ने पकड़ा गया।

चाक चौबंद इंतजाम के बीच शुक्रवार को पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित कराई गई। पहले दिन की परीक्षा में रिकार्ड 73.15 फीसदी परीक्षार्थी शामिल हुए। दोनों पालियों में 26064 में से 19065 प्रतियोगियों ने परीक्षा दी। 6999 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। किसी भी सेंटर से गड़बड़ी की शिकायत सामने नहीं आई है। डीएम–एसएसपी समेत तमाम अधिकारी केंद्रों पर परीक्षा के इंतजामों को जायजा लेते रहे। सभी सेंटरों पर परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में हुई। मुख्य गेट से लेकर परीक्षा कक्ष तक सीसीटीवी लगाए गए थे और सेंटर पर कंट्रोल रूम बनाया गया जहां से परीक्षा की निगरानी की जा रही थी। बस्ती में भी परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई।

पूर्व मुतवल्ली मोहम्मद अकरम के बेटे मोहम्मद अशरफ ने किया जोशुआ जेना के गिरफ्तारी की मांग

–नामजद आरोपी की गिरफ्तारी न होने से परिवार को अनहोनी की आशंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व मुतवल्ली स्वर्गीय मोहम्मद अकरम के पुत्र मोहम्मद अशरफ खान ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में मोहम्मद अशरफ खान ने कहा है कि धोखाधड़ी का शिकार होने के बाद उनके पिता मोहम्मद अकरम ने गत 19 सितम्बर 2023 को आत्महत्या कर लिया था। उनके पिता को अभियुक्त जोशुआ जेना पुत्र अज्ञात निवासी मकान नम्बर 316 तृतीय तल विलालभाई पटेल हाउस रफी मार्ग पार्लियामेन्ट गली ऐरिया नई दिल्ली ने ठगी का शिकार बनाया। जब उनके पिता ने पैसा वापस मांगा तो उसने देने से इंकार कर दिया। इसी तनाव में उनके पिता ने दबाव में आत्महत्या कर लिया। जोशुआ जेना पुत्र अज्ञात के विरूद्ध

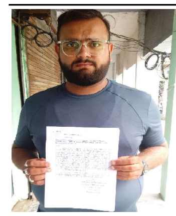

कोतवाली बस्ती में भादवि की धारा 420, 406, 306 के तहत नामजद मुकदमा दर्ज है किन्तु कोतवाली पुलिस ने अभी तक उसे गिरफ्तार नहीं किया।

स्वर्गीय मोहम्मद अकरम के पुत्र मोहम्मद अशरफ खान ने भेजे पत्र में कहा है कि जोशुआ जेना की गिरफ्तारी न होने से उनकी भी जान को खतरा है। वह शातिर व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। जोशुआ जेना की गिरफ्तारी के लिये अनेकों बार कोतवाली पुलिस, पुलिस अधीक्षक से अनेकों बार आग्रह किया गया किन्तु स्थिति यथावत बनी हुई है। पुलिस की ओर से आश्वासन मिला किन्तु जोशुआ जेना को गिरफ्तार नहीं किया गया। अशरफ खान ने स्वयं, अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये जोशुआ जेना को गिरफ्तार कराने की मांग पुलिस उच्चाधिकारियों से किया है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न के सवाल पर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध हिन्दू रक्षा समिति के बैनर तले विभिन्न हिन्दू समाज संगठनों द्वारा आक्रोश प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। यह प्रदर्शन शास्त्री चौक झंडा चौराहे से शुरू होकर राजकीय इण्टर कालेज तक जाकर समाप्त हुआ।

हिन्दू रक्षा समिति द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित पत्र में कहा गया कि विगत कुछ दिनों से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के आंदोलन के दौरान हिंदू, बौद्ध तथा वहाँ के अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रही हिंसा की घटनाओं पर हिन्दू रक्षा समिति गंभीर चिंता व्यक्त करता है।

बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की लक्षित हत्या, लूटपाट, आगजनी, महिलाओं के साथ जघन्य अपराध तथा मंदिर जैसे श्रद्धास्थानों पर हमले जैसी क्रूरता असहनीय है, हिन्दू रक्षा समिति घोर निंदा करता है। हिंदू रक्षा समिति बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अपेक्षा करता है कि वह तुरंत सखती से ऐसी घटनाओं पर रोक लगाये और पीड़ितों के जान, माल व मान के रक्षा की समुचित व्यवस्था करे। बांग्लादेश की परिस्थिति में एक पड़ोसी मित्र देश के नाते सुयोग्य भूमिका निभाने का प्रयास कर रही भारत सरकार से आग्रह करता है कि बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध आदि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु हरसंभव प्रयास करे।

इसी क्रम में हिंदू रक्षा समिति के बैनर तले संघ विचार परिवार के सभी संगठन सामाजिक संगठन और विभिन्न जातियों के प्रमुख इस विशाल आक्रोश प्रदर्शन रैली में सम्मिलित हुए। यह प्रदर्शन रैली कचहरी झंडा चौराहे से प्रारंभ होकर गवर्नमेंट इंटर कॉलेज तक भारत माता की जय बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के अत्याचार बंद हो, हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर विभिन्न नारों के साथ सभी ने अपना सहयोग प्रदान किया।

इस प्रदर्शन यात्रा में प्रमुख रूप से पतंजलि समाज, आर्य समाज, भारतीय जनता पार्टी, ब्रह्माकुमारी, सनातन धर्म संस्था, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, मजदूर संघ, विद्यार्थी परिषद, किसान संघ, संस्कार भारती, राजपूत करणी सेना, विश्व हिंदू महासंघ, चौरसिया समाज, भारत विकास परिषद, अधिवक्ता परिषद सहित दर्जनों सामाजिक संगठनों ने मिलकर जन आक्रोश प्रदर्शन किया।

संस्कारों को धारण करने से तेजस्वी होती हैं बेटियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षा जीवन को विकसित करने के लिए अनिवार्य है पर संस्कारों से हमारी संस्कृति झलकती है। इसलिए शिक्षा के साथ संस्कारों को धारण करने से बेटियां तेजस्वी हो जाती हैं और वे दो कुलों को पवित्र कर देती हैं। यह बातें आर्य समाज नई बाजार बस्ती द्वारा आयोजित सात दिवसीय वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत श्री राम सहाय सिंह महिला महाविद्यालय महरीपुर बस्ती में विद्यालय की बालिकाओं को शिक्षा और संस्कारों की जानकारी देते हुए आचार्य महावीर मुमुक्षु ने कही।

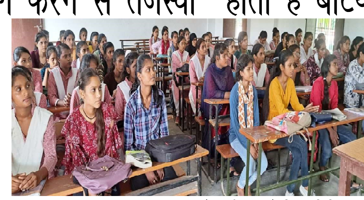

उन्होंने बताया कि हमें अपनी शिक्षा से भौतिक विकास जरूर करना है पर अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं भूलना चाहिए। हमारे संस्कार ही संस्कृति बनाते हैं और विकसित संस्कृति वाला देश ही अच्छा माना जाता है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि बालिकाओं में संस्कारयुक्त शिक्षा से साहस और आत्मबल बढ़ता है जो आगे चलकर एक श्रेष्ठ समाज का निर्माण करती हैं। कार्यक्रम में बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए डा. शशिकला श्रीवास्तव पूर्व प्रधानाचार्या आर्य कन्या इंटर कॉलेज बस्ती ने बालिकाओं को गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली के बारे में बताते हुए उसका महत्व बताया। इस अवसर पर आचार्य महावीर मुमुक्षु, डा शशिकला श्रीवास्तव और योग प्रशिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय द्वारा विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार चौबे और रजनी सिंह को वैदिक साहित्य भेंट कर अध्ययन के लिए प्रेरित किया ।प्रातःकालीन सभा में पण्डित नेम प्रकाश त्रिपाठी ने यज्ञ कराते हुए यजमानों को नित्य यज्ञ के लाभ बताए यजमान प्रवीण अग्रवाल मोती लाल, राममोहन पाल ने वैदिक मंत्रों आहुतियां दीं। अपने भजनोपदेश के माध्यम से उन्होंने बताया कि यज्ञ करने से हमारा वातावरण निरोगी और पवित्र होता है जिससे हम बीमारियों से तो मुक्त होते ही हैं साथ ही भावनाएं भी पवित्र हो जाती हैं।

इस अवसर पर स्वामी दयानन्द विद्यालय में बाण विद्या का प्रदर्शन करते हुए बताया कि यजुर्वेद से निकला धनुर्वेद हमें अपनी और अपने देश की रक्षा के लिए प्रशिक्षित करता है। यह धनुष प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि देश और धर्म की रक्षा के लिए उठता है। बाण विद्या का प्रदर्शन देखकर बच्चों ने एक तरफ मनोरंजन किया और दूसरी ओर देश पर संकट आने पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा प्राप्त की। कार्यक्रम में महिमा आर्य, आयुषी आर्य, मनीषा, मिथलेश देवी, रामरती, उपेंद्र शर्मा, अरविंद श्रीवास्तव, सुमित कुमार, अजीत कुमार पांडे, देवव्रत आर्य, संतोष पांडे, कंचन लता आर्या, प्रिंस बरनवाल, रवि कुमार, कौशल सिंह, आदित्य बरनवाल, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, प्रमोद सिंह, राजेंद्र जायसवाल, रामचंद्र, अनूप कुमार त्रिपाठी, द्रौपदी देवी, सुमन आर्य, सत्यदेव प्रसाद, गणेश आर्य, शंकर जायसवाल, राम अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बाढ पीड़ितों में किया राहत सामग्री का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरयू/घाघरा नदी के कटान से राजस्व ग्राम–महुआपार कला व बैडारी एहतध्माली तहसील बस्ती का मईपुर मदरहवा पुरवा प्रभावित है। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने बताया है कि प्रभावित परिवारों/व्यक्तियों के लिये प्राथमिक विद्यालय बैडारी एहतमाली को बाढ़ राहत केन्द्र के रूम में संचालित किया जा रहा है। बाढ़ राहत केन्द्र पर कम्युनिटी किचन

भी संचालित है। बाढ़ राहत केन्द्र पर बाढ़ प्रभावित परिवारो के लिए दिनांक 22 अगस्त से कम्युनिटी किचन केन्द्र पर भोजन की व्यवस्था संचालित है।

विधायक दूधराम ने 70 राशन किट वितरित किया। उन्होने बताया कि प्रभावित व्यक्तियों में राशन किट वितरित की कार्यवाही जारी रहेंगी। कम्युनिटी किचन केन्द्र पर तैनात नायब तहसीलदार ने बताया कि अभी तक लगभग 248 व्यक्तियों द्वारा भोजन किया जा चुका है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 अगस्त 2024 शनिवार

सम्पादकीय

महिलाओं की सुरक्षा के यक्ष प्रश्न

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की यौन हिंसा के बाद हुई हत्या ने एक बार फिर साबित किया है कि देश में कामकाजी महिलाओं के लिये कार्यस्थल पर परिस्थितियां कितनी असुरक्षित हैं। वह भी इतनी भयावह कि कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ यह सब वीभत्स घट जाता है। निश्चित रूप से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मानव अधिकारों का सरासर उल्लंघन ही है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिये सुरक्षा अनुकूल वातावरण बनाने के मद्देनजर विशाखा दिशा–निर्देश जारी करने के सत्ताईस साल बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को डॉक्टरों की सुरक्षा को संस्थागत बनाने के लिये तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश की सर्वोच्च अदालत के निर्देश के अनुपालन हेतु गठित एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स को चिकित्सा पेशवरों की सुरक्षा, महिला चिकित्सकों के लिये अनुकूल कामकाजी परिस्थितियां बनाने तथा उनके हितों की रक्षा के लिये प्रभावी सिफारिशें तैयार करने का काम सौंपा गया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि ये सिफारिशें यदि जमीनी स्तर पर भी प्रभावी साबित हुईं तो किसी भी पेशे में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिये असरकारी साबित होंगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सभी हितधारक एक स्तर पर एकजुट होकर इस दिशा में काम करेंगे। निस्संदेह, किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने के वक्त तमाम तरह के उपक्रम होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। यही वजह है कि नई कार्ययोजना बनाते समय इस बात का आकलन करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है कि महिला सुरक्षा को लेकर मौजूदा कानून और दिशा–निर्देश जमीनी स्तर पर बदलाव लाने में कितने सफल रहे हैं। सही मायनों में कानून बनाने और दिशा–निर्देश जारी करने से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका अनुपालन कितने पारदर्शी व संवेदनशील दृष्टि से किया जाता है। साथ ही विगत के अनुभवों से भी सबक लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद देश में कोलकाता कांड में भी उसी तरह की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसके बाद आवश्यकता महसूस की गई कि ऐसे क्रूर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने वाले कानून लाये जाएं। कालांतर देश में यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम अस्तित्व में आया। दरअसल, महिलाओं के लिये सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ ही विशाखा दिशा–निर्देशों के विस्तार के रूप में इसे अधिनियमित किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले साल, देश की शीर्ष अदालत ने इस अधिनियम के क्रियान्वयन के संबंध में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया था। साथ ही इससे जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर भी संकेत दिया था। इसके उदाहरण के रूप में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निर्भया फंड अक्सर नकारात्मक कारणों से सुर्खियों में रहा है। जिसमें आवंटित धन का पर्याप्त रूप में उपयोग न करना या फिर इस आवंटित धन का दुरुपयोग होना शामिल है। करीब एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के लिये महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये आवंटित धनराशि का लगभग छिहत्तर फीसदी धन ही खर्च हो पाया है। निश्चित रूप से महिला सुरक्षा की ऐसी चुनौतियों के बीच कम धन का खर्च होना एक विडंबना ही कही जाएगी। वहीं इस दौरान देश में दर्ज किये गए बलात्कार के मामलों की संख्या में केवल नौ फीसदी की ही गिरावट दर्ज की गई है। निश्चित रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू की जाने वाली किसी भी नई पहल पर इन तमाम गंभीर तथ्यों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि महिलाओं की सुरक्षा और कार्यबल में उनकी बड़ी भागीदारी तब तक अधूरी कही जाएगी, जब तक हम न केवल अपराधियों के खिलाफ बल्कि उन अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई नहीं करते, जो अपने कर्तव्य पालन में लापरवाही के लिये दोषी पाये जाते हैं।

जिन्दगी से खेलते मिलावटी दूध के कारोबारी

—डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी—

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मिलावट अब एक बेरोकटोक चलने वाली समस्या बन गई है। हर तरह की मिलावटों के खिलाफ कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका असर न के बराबर है। खाद्यान्न के अलावा पेय पदार्थों, तेलों, शहद और दूध में मिलावट बहुत बड़े पैमाने पर होती है। सरकारी और गैर–सरकारी दोनों तरह के दूध मिलावटी हो गए हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने–पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उम्मीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और बीमार पड़ जाए।

पंजाब, जहां प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता देश में सर्वाधिक है, वह मिलावटी दूध के दाग को धोने के लिये संघर्षरत है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में एकत्र किए गए दूध व दूध से बने उत्पादों के लगभग 18 प्रतिशत नमूने फेल हुए हैं। वहीं दूध–दही के खाने के लिये प्रसिद्ध हरियाणा में भी 28 फीसदी नमूने मानक कसौटी पर खरे नहीं उतरे। जैसे–जैसे त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है नमूने भरने, तलाशी लेने और मिलावट करने वालों की धरपकड़ की रस्मी कार्रवाई तेज हो जाएगी। लेकिन अब तक सुना नहीं गया कि किसी दोषी को कोई बड़ी सजा मिली हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने दिसंबर 2011, दिसंबर 2014 और अगस्त 2016 में केंद्र और राज्य सरकारों को मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की सलाह दी थी। गौरतलब है कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में दूध में मिलावट को लेकर 2011, 2016 और 2018 में सर्वेक्षण कराए गए थे। जगजाहिर है कि नेशनल सर्वे रिपोर्ट से यह जाहिर हो चुका है कि दूध में खतरनाक एल्फोटोक्सिन और एंटीबायोटिक्स मिलाया जाता है, जिससे हमारा लीवर हमेशा के लिए खराब हो सकता है या हम कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। आंख, आंत, गुर्दे हमेशा के लिए हमारा साथ छोड़ सकते हैं। मिलावटी दूध पीने से बच्चों की ही नहीं, बल्कि बड़ों की हड्डियां भी कमजोर हो जाती हैं।

यह मानवीय मूल्यों के पराभव की पराकाष्ठा है कि दूध की जगह रासायनिक पदार्थों से बना जहरीला पदार्थ धड़ल्ले से बिक रहा है। हकीकत में दूध दुनिया में सबसे ज्यादा मिलावटी खाद्य पदार्थ है, लेकिन भारत में यह संकट बड़ा है। वैसे भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं।

दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लूकोज और फॉर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। दूध में मेलामाइन मिले होने की पहचान यह है कि धूप में रखने पर दूध का पैकेट फूल कर गुब्बारा हो जाता है। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं।

कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफेद रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी। लेकिन इसके बावजूद इस मिलावट पर अंकुश लगाने के लिये हितधारकों की तरफ से कोई गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते। यह दुखद ही है कि हर घर में प्रयुक्त होने वाले दूध की गुणवत्ता में भारी गिरावट के बाद भी शासन–प्रशासन की दृष्टि में यह गंभीर मुद्दा नहीं है। न ही राजनीतिक दल ही इस गंभीर मुद्दे को संबोधित करते हैं। जिसकी वजह से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद हैं।

गौरतलब है कि बिना किसी सरकारी मदद के देश में दूध का सस्ता फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। देश में दूध उत्पादन में छियानबे हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हुई हैं। चौदह राज्यों में अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। ये संस्थाएं लाखों लीटर दूध का संग्रह करती हैं। आम आदमी इन सहकारी दूध उत्पादक संघों द्वारा संग्रहित या उत्पादित दूध पर यकीन और आंख मूंद कर इस्तेमाल करता है। अगर इन ब्रांडों में भी मिलावट होने लगे तो, इन पर से विश्वास उठना लाजमी है।

हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडीशा, उत्तराखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ सहित देश के तमाम राज्यों से दूध में मिलावट की खबरें आती रही हैं। साल 2023 में उत्तराखंड के दूध उत्पादक सहकारी संघ द्वारा उत्पादित दूध ब्रांचलश्र में मेलामाइन नामक जहरीले रसायन मिलाए जाने की खबर आई, तो लोगों ने सहकारी उत्पादक संघों की ईमानदारी पर सवाल उठाए।इसी तरह पिछले दशक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडीशा जैसे राज्यों में कृत्रिम दूध बनाने और दूध में मिलावट से कई लोगों में खतरनाक बीमारियां होने का मुद्दा सुर्खियों में रहा।

मिलावट की वजह से श्वेत–क्रांति का कारवां रुकता नजर आ रहा है। गौरतलब है कि दूध में हो रही बड़े पैमाने पर मिलावट और बढ़ते पशु–वध की वजह से श्वेत–क्रांति के कदम डगमगा रहे हैं। यह मिलावट दूध उत्पादक सहकारी संघों और निजी उत्पादकों के अलावा बिक्री करने वाले अनपढ़ दूधिए भी करते हैं। इसलिए दूध में मिलावट के खिलाफ सरकारी और गैर सरकारी अभियान साल के बारहों महीने चलाने की जरूरत महसूस होने लगी है। दूध में मिलावट का मतलब दूध से बनने वाले सभी उत्पादों में मिलावट होना।

बहरहाल, आज यदि समाज में सेहत के लिये घातक रासायनिक पदार्थों से बना नकली दूध धड़ल्ले से बिक रहा है तो स्वाभाविक प्रश्न है कि जिन खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के पास खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने का जिम्मा है, क्या वे ईमानदारी से अपने दायित्वों को निभा रहे हैं? दरअसल, इन मलाईदार पदों पर नियुक्ति में जिस तरह धनबल व राजनीतिक बल चलता है, वह पद कालांतर सोने का अंडा देने वाली मुर्गी में बदल जाता है। तभी दिवाली आदि त्योहारों में मिठाई के लिये बाजार में दूध, मावे और पनीर की बाढ़ आ जाती है, लेकिन ऐसी स्थिति वर्ष के शेष महीनों में नहीं होती। सवाल स्वाभाविक है कि दिवाली व अन्य त्योहारों के समय दूध व उसके उत्पादों से जो बाजार भर जाता है, साल के शेष महीनों में वह दूध आदि क्यों नजर नहीं आता? इस खेल की तह तक जाने की जरूरत है। वहीं क्या उपभोक्ताओं को मिलावटी दूध से स्वास्थ्य को पैदा होने वाले खतरों के प्रति जागरूक किया जाता है?

इससे दूध उत्पादक पशुपालकों और दूधियों की बदनामी हुई। समाज में असहजता पैदा हुई। जिससे कई तरह की समस्याएं पैदा हुई, लेकिन मिलावट का सिलसिला रुका नहीं। श्वेत–क्रांति के सफल न होने के पीछे दूध में बड़े पैमाने पर हो रही मिलावट और दूध देने वाले जानवरों की बढ़ती गोकशी प्रमुख वजह मानी जाती है। दरअसल, इन मामलों में कड़ी सजा न मिलने से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद रहते हैं। उन्हें पता है कि आखिरकार येन–केन–प्रकारेण वे बच ही जाएंगे।

अहम बात यह है कि आम उपभोक्ता के लिये दूध में मिलावट की पहचान करने वाली किट बाजार में सहजता से उपलब्ध हों। इस किट को किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल तथा सटीक जानकारी देने वाला बनाया जाए। खाद्य सुरक्षा एजेंसियों को उत्पादों की जांच, नमूने लेने तथा दोषी पाये जाने पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। नियम के मुताबिक मिलावट को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए, मगर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जो मिलावटखोरों के लिए सबक बने।

बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति

—ललित गर्ग—

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई–लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी माना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई–लिखाई के तौर–तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच–समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता–पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते–होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान–मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख–सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगे, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे–बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता–पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं।

स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड–प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फेंकने लगना, मां–बाप को ही मारने दौड़ना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पड़ना, भाई–बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार–बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता–पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन–कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता–पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता–पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं।ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं।

बलात्कार मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट जरूरी

—विपिन पब्बी—

कोलकाता में एक युवा डाक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के बर्बर मामले ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। मामले और उसके बाद की घटनाओं को ठीक से न संभाल पाने के कारण उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और सी.बी.आई. जांच का आदेश देना पड़ा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप किया और चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा के लिए उपाय सुझाने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन करने के अलावा राज्य सरकार के खिलाफ सख्त कदम उठाए। आज के समाचार पत्रों में उपरोक्त शीर्षक के साथ–साथ एक और परेशान करने वाली खबर थी। अजमेर में सैंकड़ों लड़कियों से सामूहिक बलात्कार और यौन शोषण के मामले में 6 आरोपियों को दोषी करार दिया गया और सजा सुनाई गई। दुखद विडंबना यह थी कि अपराध के 32 साल बाद दोषसिद्धि हुई।

हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में अभियोजन की यह धीमी प्रक्रिया आंशिक रूप से ऐसे बर्बर अपराधों की आवृत्ति और अपराधियों में कानून के डर की कमी को स्पष्ट करती है। जबकि सैंकड़ों लड़कियों का यौन शोषण किया गया था, पुलिस ने 18 पुरुषों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। केवल 30 पीड़ित ही शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आए और उनमें से केवल 2 ने ही अंत तक लड़ाई लड़ी। सैंकड़ों या शायद हजारों स्थगन और सुनवाई के बाद अदालत ने आखिरकार 32 साल की लंबी देरी के बाद 6 आरोपियों को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। कोलकाता बलात्कार और हत्या मामले में हस्तक्षेप करते हुए सुप्रीम कोर्ट को खुद के साथ–साथ न्यायिक प्रणाली की ओर भी ध्यान देना चाहिए था कि सिस्टम में क्या गलत है। जाहिर है कि यह कोई अपवाद नहीं है। अक्सर ऐसी खबरें आती हैं कि न्यायिक प्रक्रिया में सालों–साल लग जाते हैं जिससे अपराधियों को रोकने का उद्देश्य विफल हो जाता है।

2012 में दिल्ली में एक छोटी लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्याचार के कुख्यात निर्भया मामले के मद्देनजर देश ने काफी आघात झेला था। पूरे देश का ध्यान इस पर होने के बावजूद, 2020 में मामले के 6 आरोपियों में से 4 को फांसी पर लटकाए जाने में 8 साल लग गए। बलात्कार और हत्या के मामले अक्सर मीडिया में आते हैं और बलात्कार के कई मामले ऐसे होंगे जो रिपोर्ट नहीं किए जाते होंगे। आज के अखबारों में भी ठाणे के बदलापुर में एक सफाई कर्मचारी द्वारा स्कूल में दो 4 साल की मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार की खबर है। ऐसा लगता है कि इस तरह के अपराध करने वालों की बर्बरता की कोई सीमा नहीं है। कई मामलों में आरोपियों के पीड़ितों से बड़े होते हैं। निर्भया मामले में आरोपी की तरह कम उम्र के अपराधी भी होते हैं। जाहिर है कि हमारे समाज में और बच्चों के लालन–पालन और उन्हें संस्कार देने के तरीके में कुछ गंभीर गड़बड़ है। दुर्भाग्य से हमारे समाज के बड़े हिस्से में लड़के और लड़की के बीच भेदभाव एक कठोर वास्तविकता है। लड़के को लड़की पर अधिकार दिए जाने की भावना हावी होने और लड़कियों को कमतर समझने के अधिकार में बदल जाती है। माता–पिता अपने बच्चों की मानसिकता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और कम से कम बच्चों के वयस्क होने तक उन्हें अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। समग्र रूप से समाज, तथा विशेष रूप से राजनीतिक नेता भी, इस बीमार समाज के लिए उत्तरदायी हैं जिसमें हम रह रहे हैं। बिलकिस बानो सामूहिक बलात्कार मामले में दोषियों की रिहाई पर माला पहनाने तथा मिठाई बांटने को कैसे उचित ठहराया जा सकता है, जबकि न तो सरकार, न ही भारतीय जनता पार्टी या आर.एस.एस. (जिससे बलात्कारियों का स्वागत करने वाले लोगों का समूह जुड़ा था) ने घटना की निंदा की।

सुप्रीम कोर्ट और सरकार एक और समिति गठित करके अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते। ऐसी दर्जनों समितियों की रिपोर्ट उपलब्ध हैं और उन पर अमल नहीं किया गया है। अब समय आ गया है कि कार्रवाई की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इस तरह के अपराधों के दोषियों को इस उद्देश्य के लिए गठित विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों के माध्यम से समयबद्ध अवधि के भीतर दंडित किया जाए।

लापता जिला पंचायत सदस्य की नदी में मिली लाश, गुमशुदगी के बाद हो रही थी तलाश

संवाददाता–श्रावस्ती। वार्ड नंबर पांच से जिला पंचायत सदस्य व नेपाल के पूर्व सांसद तथा मंत्री के पुत्र की लाश शुक्रवार राप्ती नदी के भकला घट के निकट पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने लाश पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नेपाल राष्ट्र के पूर्व सांसद तथा मंत्री रहे स्वर्गीय दिनेश चंद्र यादव के पुत्र व जिले के वार्ड नंबर पांच से जिला पंचायत सदस्य रहे धनंजय यादव भिनगा के दहाना बस स्टैंड के निकट मकान बनाकर रहते थे। बुधवार शाम करीब आठ बजे वह तहसील तिराहा जाने की बात कह घर से निकले थे। इसके बाद वापस घर नहीं लौटे। मामले में जिला पंचायत सदस्य के भाई इंद्रसेन यादव उर्फ प्रमोद यादव ने भिनगा कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराया था। जिनकी लाश शुक्रवार दोपहर भिनगा बहराइच फोरलेन स्थित राप्ती नदी के भकला घाट पुल के पास बरामद हुई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। इस बारे में एएसपी प्रवीण कुमार यादव का कहना है कि लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दहेज हत्यारोपी पति,सास व ससुर को दस वर्ष की सजा

संवाददाता–गोण्डा। अपर सत्र न्यायाधीश सूर्य प्रकाश सिंह ने दहेज हत्या के जुर्म में पति, सास व ससुर को दस वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर तीनों को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हर्षवर्धन पांडेय के प्रकरण कटराबाजार थानाक्षेत्र के चुटियापुर कलवारी का है। गांव निवासी कृष्ण कुमार उर्फ छग्गू पुत्र भगौती, भगौती उर्फ फूलन पुत्र सुंदरलाल तथा सुमिता उर्फ सुमिरता के विरुद्ध वादी मुकदमा मुंशीलाल ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक मुंशीलाल ने अपनी पुत्री हीरा की शादी आरोपी कृष्ण कुमार के साथ की थी। वादी ने अपनी हैसियत के अनुसार दान–दहेज दिया था लेकिन आरोपी उससे संतुष्ट नहीं थे। आए दिन दहेज के लिए उसकी पुत्री को प्रताड़ित किया जाता था। दहेज की मांग पूरी न होने पर आरोपियों ने उसकी पुत्री को पंद्रह फरवरी 2019 को मार डाला। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया।

दो दिन से लापता दो लोगों के नहर में उतराते मिले शव

संवाददाता–महराजगंज। जिले में दो अलग–अलग जगहों पर नहर में उतराते दो शव मिले हैं। इन दोनों की पहचान हो गई है और ये दोनों दो दिनों से अपने घर से गायब थे। शव मिलने के बाद कोहराम मच गया है। पुलिस शवों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। सिन्दुरिया के सेमरा का रहने वाला छ्व गुप्ता (35) पुत्र रामउतम गुप्ता पिछले दो दिनों से लापता था। शुक्रवार को उसका शव देवरिया शाखा नहर में हरिहरपुर टोला मोतीपुर के पास उतराता हुआ मिला। लाश को देखते ही समीपवर्ती ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। उप निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह, उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार, साकिर सिकंदर अली, दिलीप कुमार मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के सहयोग से शव को नहर से बाहर निकलवाकर पुलिस टीम थाने लाई। मृतक के घर वालों ने उसकी पहचान कर ली। पुलिस ने पहचान के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी संध्या, उसके तीनो बच्चों तथा परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि दो दिन पहले वह किसी बात की नाराजगी को लेकर रात में बाइक से घर से निकला था। उसकी बाइक जगदौर नहर पर खड़ी मिली थी और लोगों ने उसके नहर में कूदने की आशंका जताई। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने भी काफी तलाश किया पर नहीं मिला। एसओ दिनेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई होगी। वहीं, श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत परतावल भगनौली के परतावल राजवाहा नहर में शुक्रवार को एक बुजुर्ग का शव उतराता हुआ मिला। मृतक की पहचान रामचंद्र भारती के रूप में हुई। वह बीते बुधवार की सुबह से ही घर से लापता था और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। मृतक का मोबाइल व चश्मा उसी दिन शाम को नहर पटरी पर मिला था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

फुटपाथ पर दुकानदारों को रौंदता हुआ ट्रक दुर्गा मंदिर में जा घुसा, दो की मौत

संवाददाता–बहराइच। जरवल रोड के लखनऊ गोंडा मार्ग तूफानी चौराहे के पास शुक्रवार को अनियंत्रित ट्रक बिजली के पोल को तोड़ते हुए दुर्गा मंदिर में जा घुसा। हादसे में मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस द्वारा बाहर निकलवाया जा रहा है। जिले के जरवल रोड थाना क्षेत्र के तूफानी चौराहा पर बस स्टॉप स्थित है। बस स्टॉप के पास ही दुर्गा मंदिर स्थित है। मंदिर में शुक्रवार दोपहर में दिनचर्या का काम कर रहे थे। इसी दौरान लखनऊ से आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित हो गया और फुटपाथ व विद्युत पोलों को तोड़ते हुए मंदिर में जा घुसा। जिसके नीचे दब कर दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची है। पुलिस मृतकों की शिनाख्त में लगी हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। थानाध्यक्ष बृज प्रसाद ने बताया कि घायलों और मृतकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

दो दिनों के बीच उल्टी दस्त से दादी व पोती समेत चार की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुरा अन्तर्गत चौबे भितवारिया में बुखार व उल्टी दस्त से दो दिनों के बीच वृद्ध महिला व दो बच्चों की मौत हो चुकी है। नौ वर्षीय बच्चे की मौत दो दिन पहले हुई है। दादी बड़का व पोती अंतिमा की मौत गुरुवार रात अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई है। गांव में दर्जन भर से अधिक लोग उल्टी, दस्त व बुखार से पीड़ित हैं। तुलसीपुर ब्लाक के गुलरिहा हिसामपुर गांव में तीन माह की शाइमा पुत्री तौफीक ने शुक्रवार दोपहर मेमोरियल चिकित्सालय में दम तोड़ा है। गुलरिहा हिसामपुर गांव में डायरिया के नौ नए मरीज पाए गए हैं। प्रभावित गांवों में आलाधिकारी जुटे हुए हैं। लोगों को आवश्यक दवाएं बांटकर जागरूक किए जाने का काम चल रहा है। गुलरिहा हिसामपुर में स्वच्छता व्यवस्था के लिए 40 सफाई कर्मी लगाए गए हैं। सीएमओ, अपर सीएमओ, डीपीआरओ व बीडीओ गांवों में जुटे हुए हैं। शिवपुरा ब्लाक का गांव है चौबेभितवरिया। यहां पिछले चार दिनों से उल्टी, दस्त और बुखार की बीमारी फैली हुई है। गांव की आवादी लगभग 300 है। मीना (25), मीरा देवी (28), राकेश कुमार (13), मनोज कुमार (12), संदीप कुमार (11) व संतराम (65) बुखार और उल्टी दस्त से पीड़ित हैं। इन सभी को सीएचसी शिवपुरा में भर्ती कराया गया था। वहीं मुस्कान (10), ब्यूटी (7), राजश्री (5) का इलाज जिला मेमोरियल अस्पताल में चल रहा है। अन्य संक्रमित ठीक होकर घर लौट आए हैं। अर्जुन प्रसाद ने बताया कि बुधवार को उनका नौ वर्षीय पुत्र शिवम बुखार और उल्टी–दस्त से पीड़ित था। जिसकी मौत हो चुकी है। इसी तरह हृदय राम ने बताया कि उनकी 70 वर्षीय मां बड़का कई दिनों से बीमार चल रही थीं। वह बुखार व उल्टी दस्त से पीड़ित थीं। इसके बाद उनकी दो वर्षीय पुत्री अंतिमा भी इसी बीमारी से ग्रसित हो गई। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुरा ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई।

कक्षा में पढ़ाई की दौरान छात्रा बेहोश, मौत

संवाददाता–कुशीनगर। जनता इंटरमीडिएट कॉलेज कोटवा में शुक्रवार की सुबह पढ़ाई के दौरान कक्षा में एक साथ छात्रा एकाएक बेहोश हो गई। छात्राओं और शिक्षकों ने उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांव के समीप उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के पिपरिया नरहर के टोला तीनघरवा निवासी मुरारी की बेटी सोनी जनता इंटरमीडिएट कॉलेज कोटवा में 11वीं की छात्रा थी। वह रोज की भांति शुक्रवार को विद्यालय गई थी। प्रार्थना के बाद पहली घंटी अंग्रेजी में शिक्षक पढ़ा रहे थे कि यकायक वह बेहोश हो गए। आसपास के छात्रों ने उसे बाहर निकाल पानी का छींटा मार ओआरएस की घोल देने के लिए तैयारी हो रही थी कि उसके शरीर में हलचल होना पूरी तरह बंद हो गई। शिक्षकों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां पर डॉक्टरों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे परिवारीजनों ने छात्रा के शव का गांव के समीप श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया दिया। अनुमान लगाया जाता है छात्रा की हार्टअटैक मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद विद्यालय में शोकसभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ संघ के फ्रंटल संगठनों ने निकाली रैली

संवाददाता–देवरिया। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के फ्रंटल संगठनों ने शुक्रवार को शहर में रैली निकाल कर विरोध जताया। वे सरकार से मामले में दखल देने की मांग कर रहे थे। विश्व हिंदू परिषद कार्यालय टाउन हॉल पर भारतीय जनता पार्टी, बजरंग दल, विद्यार्थी परिषद समेत अनेक संगठनों के कार्यकर्ता शुक्रवार को एकत्रित हुए। करीब 1:00 बजे सभी लोग कार्यालय से निकलकर सुभाष चौक पर पहुंचे। यहां प्रदर्शन किया। इसके बाद सभी लोग हाथों में बैनर लिए हुए कचहरी चौराहे की तरफ बढ़ चले। कार्यकर्ता बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार बंद करो बंद करो के नारे लगाते जा रहे थे। कार्यकर्ताओं का समूह विकास भवन, प्रधान डाकघर, जिला पंचायत के सामने से होते हुए कचहरी चौराहा पहुंचा। कलेक्ट्रेट के दक्षिणी गेट से कार्यकर्ताओं का समूह जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। अपने विरोध प्रदर्शन के समर्थन में केंद्र सरकार को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस अवसर पर विहिप के जिलाध्यक्ष उपेंद्र शाही, मंत्री राम सिंह, वंशराज पांडेय, सुभाष तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, अभयनाथ त्रिपाठी, निशिरंजन तिवारी, कुलदीप, प्रभाकर तिवारी, अंबिकेश पांडेय, प्रेम अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाई जाएगी जन्माष्टमी, तैयारियां शुरू

संवाददाता–श्रावस्ती। श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शुक्रवार सुबह एसपी ने पुलिस कर्मियों के साथ पुलिस लाइन में स्थित मंदिर परिसर की साफ सफाई की गई। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की उपस्थिति में शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित मन्दिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों श्रमदान के माध्यम से मंदिर परिसर की सफाई की। इतना ही नहीं एसपी ने खुद सफाई अभियान का हिस्सा बन सभी को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ने कहा सफाई सिर्फ एक अभियान ही नही बल्कि यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी भी है। स्वच्छ मन्दिर परिसर न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए भी जरूरी है। हर साल पुलिस लाइन में जन्माष्टमी पर कार्यक्रम का आयोजन होता है और धूम धाम से श्री कृष्ण का जन्म उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

महिला दुष्कर्म के दोषी युवक को आठ वर्ष की कैद

संवाददाता–गोण्डा। अपर सत्र न्यायाधीश सूर्य प्रकाश सिंह ने दुष्कर्म के दोषी को आठ वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हर्षवर्धन पांडेय के अनुसार थाना उमरीबेगमगंज अंतर्गत ग्राम अकौनी पूरे रैकवार निवासी शिव कुमार पुत्र झब्बर के विरुद्ध वादिनी ने दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया।

सीएचसी में अलग से बनाएं डेंगू वार्ड –जेडी हेल्थ

संवाददाता–बहराइच। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक मुकेश मातनहेलिया व सीएमओ डॉ. संजय शर्मा ने पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं खजुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। पयागपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. थानेदार को क्षेत्र वासियों को शासन की मंशा के अनुसार बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य ने ओपीडी में आए हुए मरीजों की संख्या की जानकारी ली। प्रयोगशाला में मरीज के स्वास्थ्य परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने डेंगू, बुखार के लिए स्पेशल वार्ड बनाने व बीमारियों की रोकथाम के लिए अस्पताल परिसर में साफ–सफाई करवाए जाने का निर्देश दिया। इस दौरान डिजिटल एक्सरे की व्यवस्था को सुचारू रूप से चालू करवाने एवं हेल्थ एटीएम मशीन को भी कार्यरत किए जाने के लिए सीएमओ से कहा। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों ने बाल रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन की तैनाती की मांग की। जिस पर सीएमओ ने उपलब्ध संसाधनों के अनुसार शीघ्र ही व्यवस्था कराए जाने का आश्वासन दिया। पयागपुर स्वास्थ्य केंद्र के प्रकरण में एक वीडियो वायरल होने के की जब मीडिया कर्मियों ने जानकारी मांगी, तो सीएमओ ने कहा कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं है, संज्ञान में आने पर उचित कार्यवाही की जाएगी। सीएमओ ने चिकित्सा अधीक्षक पयागपुर डॉ. थानेदार को स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने फाइलेरिया की दवा का वितरण कारगर ढंग से करवाने एवं टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते जाने का निर्देश दिया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं का मुआयना किया।

मत्स्य शिकारियों ने किया नाला पानी बाहव को बाधित, कार्रवाई की मांग

संवाददाता–गोण्डा। सुआंव नाले पर अवैध छेका बांध लगाकर कुछ लोगों द्वारा पानी बहाव को बाधित किया जा रहा है। इसके विरोध में क्षेत्र वासियों ने एक शिकायती पत्र उप जिलाधिकारी उतरौला अवधेश कुमार को सौंपा है। क्षेत्रवासी संजय चौहान, राजीव कुमार, शकील अहमद, गोबरे, जनक राम मौर्या, रक्षाराम, अयोध्या प्रसाद, बलिराम, मुस्तफा व राम मनोरथ आदि ने कहा है कि ग्राम नियामतजोत व राजाजोत के बीच में सुवांव नाले पर कुछ लोगों द्वारा मत्स्य आखेट करने के को लेकर अवैध छेका लगा दिया है। जिससे पानी का बहाव अवरुद्ध है। इसके चलते कई गांवों के सैकड़ों बीघा धान फसल जलमग्न हो गया है। यदि कुछ दिनों तक धान फसल पानी में डूबी रही तो वह गलकर नष्ट हो जाएगी।

टाटा मैजिक को रोक बदमाशों ने छीने 47150 रुपए, दो गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। ई–रिक्शा सवार बदमाशों ने टाटा मैजिक रोकर चालक व परिचालक को मारपीट कर 47150 रुपए लूट लिए। बदमाशों ने दो मोबाइल फोन भी छीन लिया। घटना को अंजाम देने के बाद तीन लुटेरे भाग निकले, जबकि ई–रिक्शा स्टार्ट न होने से एक बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश की शिनाख्त पर एक लुटेरा और पुलिस की गिरफ्त में आ गया जिसके पास 9300 रुपए बरामद हुए हैं। मौके पर मिले रिक्शा में लाठी–डंडा व फरसा रखा मिला है। घटना शुक्रवार रात लगभग नौ बजे थाना देहात क्षेत्र अंतर्गत बहराइच मार्ग बौद्ध परिपथ स्थित हंसुवाडोल गांव के निकट हुई है। पुलिस घटना में शामिल दो अन्य बदमाशों की तलाश में जुटी है। कोतवाली नगर के काली थान निवासी संजय कुमार मिश्रा संजय एजेंसी के नाम से दुकान चलाते हैं। उनकी एजेंसी का चिप्स व पापड़ आदि बहराइच तक बिकने जाता है। गुरुवार को कालीथान नगर के कालीथान तिराहा निवासी संतोष चौहान पुत्र मुन्नालाल व मोहम्मदपुर के संजय तिवारी पुत्र दुर्गा प्रसाद बहराइच माल लेकर गए थे। लौटते समय हंसुवाडोल गांव के निकट बीचों बीच रास्ते में ई रिक्शा खड़ा मिला। संतोष ने जैसे ही टाटा मैजिक गाड़ी रोकी उन्हें चार लोगों ने पड़कर पीटना शुरू कर दिया। सभी के हाथ में डंडे थे। संजय तिवारी बीच बचाव करने उतरे तो उन्हें भी मारा पीटा। चारों ने मिलकर उनसे 47150 रुपए छीन लिए। संतोष व संजय का मोबाइल फोन भी छीन लिया। इसी बीच संतोष ने शोर मचाना शुरू किया। संयोगवश पुलिस की डायल 112 गाड़ी बौद्ध परिपथ से होकर गुजर रही थी। हंसुवाडोल निवासी देशराज हड़बड़ी में ई–रिक्शा स्टार्ट नहीं कर पाए। पुलिस ने उन्हें वहीं पकड़ लिया। देशराज ने बताया कि लूट की घटना को अंजाम देने में गांव के ही गोली, मुर्रे व जगदंबा शामिल हैं। ई–रिक्शा की तलाशी ली गई तो उसमें लाठियां व फरसा रखा मिला। पुलिस देशराज को हंसुवाडोल गांव ले गई, जहां गोली को गिरफ्तार कर लिया गया। गोली के पास लूटे गए 9300 रुपए बरामद हो गए। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना में चार लोगों को नामजद किया गया है। दो अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है।

एचआईवी एड्स जागरूकता मैराथन के विजेता सम्मानित

संवाददाता–देवरिया। युवा उत्सव एचआईवी एड्स जागरूकता के तहत आयोजित हुई मैराथन प्रतियोगिता के विजेताओं को डीएम ने शुक्रवार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने पुरुष वर्ग से सनी यादव, शंभू कुमार, सत्यवीर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया। वहीं महिला वर्ग से कजल पासवान, आंचल निषाद, रोशनी निषाद और ट्रांसजेंडर वर्ग से शिवानी, चाहत व तमन्ना को पुरस्कृत किया। जिलाधिकारी ने कहाकि युवाओं में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया जाए। जानकारी से ही एड्स की रोकथाम संभव है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश झा ने कहाकि देवरिया जिला एचआईवी एड्स उच्च जोखिम जनपदों में से एक है। जिले में 10 एकीकृत परामर्श और एचआईवी परीक्षण केंद्र पर निःशुल्क जांच व परामर्श की सुविधा के साथ–साथ एचआईवी पॉजीटिव मरीजों को एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी के माध्यम से इलाज किया जाता है। स्कूल कॉलेज व गांव में विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाता है। सम्मान समारोह में विश्वनाथ मल्ल, उपेंद्र तिवारी, चंद्रप्रकाश त्रिपाठी, बृजेश तिवारी, अफजल हुसैन, सत्य प्रकाश मिश्रा, नीरज मणि आदि मौजूद रहे।

जीआईसी में मनाया गया पहली बार राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

संवाददाता–बलरामपुर। राजकीय इंटर कॉलेज दारीचौरा में शुक्रवार को पहली बार राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में छात्र–छात्राओं को भारत के चन्द्रयान मिशन के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन विज्ञान शिक्षक आशीष कुमार वर्मा ने किया।

विज्ञान शिक्षक आशीष वर्मा ने कहा कि चंद्रयान–3 मिशन भारत का तीसरा चंद्र मिशन था, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया। इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करना था। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के साथ इस मिशन ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरकर नया इतिहास रचा था। जिससे भारत दुनिया का चौथा देश बन गया, जिसने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। कार्यक्रम में इको क्लब, विज्ञान क्लब व गणित क्लब के सदस्यों ने भी प्रतिभाग किया। छात्र–छात्राओं ने पूरे उत्साह से प्रतिभाग कर भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रति अपनी समझ को विकसित किया। साइंस के छात्रों ने इसरो से जुड़ी जानकारी लेकर विभिन्न बिंदुओं को विज्ञान शिक्षक से साझा किया।

अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को भेजा मांगपत्र

संवाददाता–गोण्डा। अधिवक्ता हितों को लेकर फौजदारी बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र एडीएम को दिया। शुक्रवार को अध्यक्ष राजन श्रीवास्तव और महामंत्री अजेय विक्रम सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं व उनके परिवार को 10 लाख रुपए वार्षिक मेडिक्लेम दिलाने के साथ अन्य मांगे उठाई। फौजदारी बार एसोसिएशन के मुताबिक अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट, मुख्यालय पर पर्याप्त अधिवक्ता चौंबर व हाल निर्माण, नए अधिवक्ताओं को लाइब्रेरी के लिए तीन वर्ष तक पांच हजार रुपए प्रति वर्ष तक प्रदान करने की घोषणा के अनुरूप धनराशि प्रदान करने के संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

नम्बर मुकदमा 1276/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

गणेश यादव

बनाम

भानु प्रताप यादव

1. भानुप्रताप यादव उम्र लगभग 35 वर्ष 2. राजेश यादव उम्र लगभग 48 वर्ष 3. अशोक यादव उम्र लगभग 46 वर्ष पुत्रगण नन्दलाल निवासीगण ग्राम महुडर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 4. श्रीमती फुलवारी उम्र लगभग 75 वर्ष पत्नी नन्दलाल निवासी ग्राम महुडर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 54/2021

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

रामसेवक

बनाम

प्रभात पाण्डेय

1. प्रभात पाण्डेय पुत्र गोकरन पाण्डेय नि0 ई0 792 विनय खण्ड गोमतीनगर लखनऊ पिन कोड 226010 उ0प्र0 (स्वामी एवं चालक UP 32/ HU 4478)

तारीख पेशी 28–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

प्रकीर्णवाद सं0 460/2021

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

राजदेई

बनाम

कुसुमलता आदि

2/1/1 त्रिवेनी शंकर 2/1/2 संतराम 2/1/3 चन्द्रेश 2/1/4 प्रदीप पुत्रगण स्व0 केदार 2/3 दशरथ 2/4 कमला 2/5 रामपत मृतक पुत्रगण बुद्धू 2/5/1 चन्द्रप्रकाश 2/5/2 राजेश पुत्रगण रामपत निवासीगण ग्राम चेरापुर पो0 लुतुही तप्पा बनकट परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 28–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 182/2021

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

नसरीन फातमा

बनाम

सोनू जायसवाल आदि

2. सोनू जायसवाल पुत्र विनोद जायसवाल निवासी ग्राम बड़ी बाजार पो0 गनेशपुर जिला–बस्ती (वाहन स्वामी मोटर साईकिल नं0 UP 51 ए0एम0 3414)
4. विशाल सिंह पुत्र विवेकानन्द सिंह निवासी ग्राम अभयपुर पो0 बरहपुर जिला–बस्ती पिन कोड–272163 (वाहन चालक मोटर साईकिल नं0 UP 51 ए0एम0 3414)

तारीख पेशी 27–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सिपाही भर्तीः निलंबित महिला सिपाही ने पांच को परीक्षा पास कराने के लिए दिया ठेका, फेसबुक के जरिए साधा संपर्क

संवाददाता—गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में 23 अगस्त से पुलिस भर्ती परीक्षा शुरू हो गई है। पहली पाली की परीक्षा के दौरान यूपी के आगरा और रायबरेली से दो नटवरलाल पकड़े गए हैं। इसके साथ ही एसटीएफ ने एक महिला कांस्टेबल को तीन लड़कों के साथ उसके ही घर में छापा मारकर पकड़ा है। इस महिला कांस्टेबल का मोबाइल खंगालने पर एसटीएफ के अधिकारियों के होश उड़ गए। बहरहाल महिला कांस्टेबल और उसके साथियों से एसटीएफ गहन पूछताछ कर रही है। महिला कांस्टेबल उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में तैनात है। वह गोरखपुर जिले के बांसगांव थानाक्षेत्र की रहने वाली है। उसके मोबाइल से पुलिस को पांच लोगों को प्रवेशपत्र मिले हैं। यह प्रवेशपत्र यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा 2024 के हैं। महिला कांस्टेबल का नाम पिंकी सोनकर है। एसटीएफ के सूत्रों का कहना है कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। इसी के आधार पर शुक्रवार सुबह सीधे महिला कांस्टेबल के घर यानी गोरखपुर में छापेमारी की गई। इस दौरान एसटीएफ ने महिला पुलिस कांस्टेबल के साथ 3 युवकों को मौके से दबोच लिया। महिला कांस्टेबल के साथ पकड़े गए दिल्ली निवासी युवक का नाम देव प्रताप सिंह है। दो अन्य लोगों में से एक प्राइवेट ड्राइवर है तो प्राइवेट सुरक्षाकर्मी बताया जा रहा है।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ी यूपी पुलिस की महिला कांस्टेबल श्रावस्ती में तैनात है। बताया जा रहा है कि इसने अपने घर पर कुछ लोगों को बुलाया था। साथ ही सिपाही भर्ती परीक्षा पास करवाने का भरोसा दिया था। इसके एवज में अभ्यर्थियों से रुपए भी मांगे गए थे। ये बात अधिकारियों को पता चल गई थी, जिसके बाद से महिला पुलिसकर्मी पर नजर रखी जा रही थी। इसी बीच एसटीएफ ने महिला पुलिसकर्मी को उसके घर से ही पकड़ लिया। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच एसटीएफ और क्राइम ब्रांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अभी तक हुई जांच में सामने आया है कि दिल्ली निवासी देव प्रताप सिंह अभ्यर्थियों को पेपर देने का झांसा दे रहा था और महिला सिपाही पिंकी सोनकर अभ्यर्थियों से पैसा जमा करने का काम कर रही थी। महिला सिपाही के मोबाइल से पांच अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड और पैसों के लेनदेन के सुबूत भी मिले हैं। उधर, महिला पुलिसकर्मी का कहना है कि उसके मोबाइल से जो भी एडमिट कार्ड बरामद किए गए हैं। वह सभी उसके रिश्तेदारों के हैं। मगर एसटीएफ को मोबाइल में पैसों के लेन—देन के भी सबूत मिले हैं।

डीडीयू की छात्राओं ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए किया प्रदर्शन

संवाददाता—गोरखपुर। पश्चिम बंगाल में हालिया घटना के विरोध में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की छात्राओं ने मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। इससे पहले, छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर और छात्रसंघ भवन चौराहे तक रैली निकाली। हाथ में बैनर और पोस्टर लेकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की, जिन पर संदेश थे जैसे स्टॉप ब्लेमिंग विक्टिम, सुनो द्रोपदी, शस्त्र उठा लो और लड़कियों को पर्दे में नहीं हैवानों को रखो, शर्म करो—शर्म करो....।

बीए थर्ड ईयर की छात्रा पल्लवी शर्मा ने कहा कि यह रैली महिलाओं की सुरक्षा और नारी सशक्तिकरण के समर्थन में आयोजित की गई है। छात्रा अदिति तिवारी ने आरोप लगाया कि महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, उनके साथ बलात्कार हो रहा है और उनकी जान ली जा रही है। उन्होंने कहा कि छोटी बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं और हर दिन ऐसी दरिंदगी की घटनाएं सुनने को मिल रही हैं। उनका कहना है कि भले ही देश आजाद हो चुका है, लेकिन महिलाओं को अब भी पूरी स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है।

राम मंदिर निर्माणः श्रमिकों की कमी ने बढ़ाई ट्रस्ट की चिंता, दिसंबर तक मंदिर निर्माण पूरा करने का है लक्ष्य

संवाददाता—अयोध्या। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में अयोध्या पहुंचे समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि जो बैठक हुई उसमें एक स्थिति स्पष्ट हु कि हमारे पास श्रमिकों की संख्या और उत्पादकता कम है। यह हमारे लिए चिंता का विषय है। मिश्र ने कहा कि हमारा लक्ष्य दिसंबर 2024 तक मंदिर निर्माण को पूरा करने का है। इसमें अब केवल चार से पांच महीने ही बचे हैं। इतने ही समय में हमें मंदिर का निर्माण करना है। प्रथम तल में हम लगभग 90 फीसदी काम कर चुके हैं लेकिन दूसरा तल और शिखर यह दोनों महत्वपूर्ण कार्य हमें अभी करना बाकी है। इसके साथ सबसे महत्वपूर्ण यह है कि दूसरे तल पर जो गर्भगृह होगा, उसका किस प्रकार इस्तेमाल किया जाए, इस पर चर्चा की गई। भूतल के गर्भगृह में हमारे रामलला हैं। दूसरे तल के गर्भगृह में किस महत्व, किस लक्ष्य, किस संदेश के साथ चीजें वहां की जाएं, यह विचारणीय है। अभी इस पर विचार चल रहा है।कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है लेकिन यह प्रयास अवश्य होगा कि दूसरे तल के गर्भगृह में भी भगवान राम से संबंधित जैसे विभिन्न प्रदेशों की भाषाओं में रामायण और श्रीरामचरित मानस लिखा जाए और जो अन्य प्रदेशों के रामचरितमानस की सबसे पुरानी प्रति हो उसे वहां रखा जाए। जिससे लोग अपनी भाषा में उसे पढ़ सकें लेकिन यह अनेक प्रस्ताव में से एक है। इसके साथ एक प्रस्ताव और है कि वहां पर प्रभु श्रीराम का चरण बनाया जाए। इन सभी के बारे में अभी सोचा जा रहा है और अंत में इन सभी पर निर्णय लिया जाएगा।

राजपती माता प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय गौरा कलवारी- बस्ती (उ.प्र.)

आवश्यकता है

स्नातक स्तर कला संकाय बी.ए. प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र एवं दृश्य कला (प्रत्येक 01 पद), स्नातकोत्तर स्तर पर एम.ए. भूगोल, एम.एस.सी. रसायन विज्ञान एवं गणित (प्रत्येक 03 पद) हेतु सहायक प्रोफेसर की आवश्यकता है।

योग्यता— यू.जी.सी. एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के परिनियमावली के अनुसार।

अभ्यर्थी विज्ञापन प्रकाशन के 21 दिन के अंदर अपने सभी अभिलेखों के साथ आवेदन करना सुनिश्चित करें।

प्रबंधक

राजपती माता प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय गौरा, कलवारी- बस्ती

दूध के मिलावट का आरोपी हुआ दोषमुक्त

संवाददाता—संतकबीरनगर जिले में दूध में मिलावट करने के एक आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो प्रथम जितेन्द्र सिंह द्वितीय की कोर्ट ने अपील में दोषमुक्त करने का फैसला सुनाया। आरोपी जय प्रकाश यादव को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम का दोषी करार देते हुए दो वर्ष के कारावास एवं पांच हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा सुनाई थी। इसी फैसले को आरोपी ने सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में चुनौती दिया था। अपील करने वाले जय प्रकाश यादव के अधिवक्ता अमित कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रकरण में खाद्य निरीक्षक विनय कुमार सहाय ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उनका कथन था कि 7 सितम्बर 2010 को 11 बजे सुबह हैंसर बाजार मार्ग के ग्राम भण्डा थाना धनघटा निरीक्षण अभियान पर थे। इसी दौरान ग्राम मिठना थाना धनघटा के जय प्रकाश यादव व श्रीपति यादव केन में दूध लेकर विक्रय करते पाए गए। इनकी तलाशी लेकर नमूना संकलित कर प्रयोगशाला में जांच के लिए प्रेषित किया गया। प्रयोगशाला में दूध के मिलावट की पुष्टि होने पर खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत हुआ। विचारण में सुनवाई के पश्चात सीजेएम की कोर्ट ने आरोपी को दोषसिद्ध करार देते हुए दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसी फैसले के विरुद्ध आरोपी ने अपील प्रस्तुत किया। अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम जितेन्द्र सिंह द्वितीय की कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए आरोपी को दोषमुक्त करने का फैसला सुनाया।

यूपीएस खराब होने से एक्स—रे ठप, मायूस लौट रहे हैं मरीज

संवाददाता—गोरखपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में इलाज के लिए पहुंच रहे मरीजों की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। सीएमचसी में लगा एक्स—रे मशीन चार दिनों से खराब है। मशीन में मामूली खराबी होने से चार दिनों एक्स—रे ठप है। ऐसे में इलाज के लिए पहुंचे गरीब मरीजों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है।

बीईओ ने जांच कर दिए दिशा—निर्देश

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बर्डपुर ब्लॉक क्षेत्र के बीईओ अरुण कुमार ने शुक्रवार को परिषदीय विद्यालय सेमरी व तिलसड़ी का जांच की। इस दौरान अध्यापकों से कहा कि विद्यालय के लिए खरीदे जाने वाले स्टील के बर्तन का क्वालिटी बेहतर होना चाहिए। इसका पक्का जीएसटी बिल जरूर लें, ताकि जरूरत पड़ने पर दिखाया जा सके। विद्यालयों के निरीक्षण में अविभावकों द्वारा बार—बार मीनू के अनुसार भोजन न देने की जानकारी दी जा रही है, इसमें तत्काल सुधार करें। मीनू से हटकर भोजन बनवाने पर हेडमास्टर जिम्मेदार होंगे।

रमेश को मिला भारत न्याय पुरस्कार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय निवासी रमेश वर्मा को भारत न्याय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारतीय युवा वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से दिल्ली के एलटीजी ऑडिटोरियम में भारत न्याय पुरस्कार का आयोजन किया गया। इस मौके पर रमेश वर्मा को भी भारत न्याय पुरस्कार से नवाजा गया। इस कार्यक्रम में सांसद रामदास अठावले मोहित नारायण, डॉ. मोक्ष समेत भाजपा प्रवक्ता विनय चौधरी, अयोध्या के राम राहुल आदि उपस्थित थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत परसाजप्ती विकास खण्ड-रूधौली, जनपद-बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **परसजप्ती** विकासखंड **रूधौली** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024—25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाडू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 24—08—2024 से दिनांक 29—08—2024 को 01:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **परसजप्ती** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 30—08—2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्ते

1— अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2— जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3—आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5— ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6— घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7— धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **परसजप्ती** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8— निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9— आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10— सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11— सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12— आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।
14— निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।
15— निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16— निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

मो0 उमर
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत—**परसाजप्ती**
विकास खण्ड—रूधौली जनपद बस्ती

सतीश चन्द्र गौतम
सचिव
ग्राम पंचायत—**परसाजप्ती**
विकास खण्ड—रूधौली जनपद बस्ती

कार्यालय ग्राम पंचायत दुबखरा विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024—25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज—2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई—रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 24.08.2024 से 30.08.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 31.08.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः— निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान—राजेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत-दुबखरा
विकास खण्ड-बस्ती सदर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.—आनन्द सिंह
ग्राम पंचायत-दुबखरा
विकास खण्ड-बस्ती सदर, बस्ती

पत्रांक मेमो /23.08.2024 वित्तीय वर्ष 2024—25

कार्यालय ग्राम पंचायत बसहवां विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024—25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज—2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई—रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 24.08.2024 से 29.08.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 30.08.2024 सायं 11:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः— निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान—अजय कुमार
ग्राम पंचायत-बसहवां
विकास खण्ड-बस्ती सदर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.—आनन्द सिंह
ग्राम पंचायत-बसहवां
विकास खण्ड-बस्ती सदर, बस्ती

पत्रांक मेमो /23.08.2024 वित्तीय वर्ष 2024—25

कार्यालय ग्राम पंचायत कुसमौर विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024—25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज—2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई—रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 24.08.2024 से 29.08.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 30.08.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः— निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान—पवन कुमार यादव
ग्राम पंचायत-कुसमौर
विकास खण्ड-बस्ती सदर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.—आनन्द सिंह
ग्राम पंचायत-कुसमौर
विकास खण्ड-बस्ती सदर, बस्ती

पत्रांक मेमो /23.08.2024 वित्तीय वर्ष 2024—25

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
वाद संख्या 57/2021
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/ बांसी जिला सिद्धार्थनगर
रामचन्द्र
बनाम
श्रीमती सत्यभामा आदि

1. श्रीमती सत्यभामा पत्नी रामजी पाण्डेय साकिन नगवा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 2. सावित्री पत्नी अगस्तमुनि पाण्डेय साकिन सुहई कनपुरवा पो0 सुहई कनपुरवा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 30—08—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **30—08—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com